हिंदी (लोकवाणी)

अभ्यास के लिए कृतिपत्रिका 5 के उत्तर

प्र. 1. (अ)

(1)

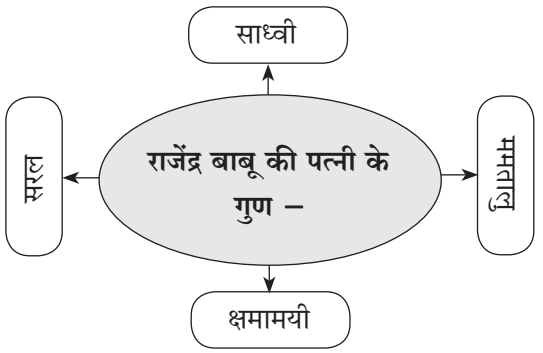

(2) (i) निकट × दूर
सरल × कठिन।

(ii) परिवार = कुटुंब
पुत्री = बेटी।

(3) आजादी मिलने के पहले तक एक समय ऐसा था, जब हमारे देश में संयुक्त परिवार हुआ करते थे। दादा-दादी, माता-पिता, बेटे-बहू, भाई-भाभी, पोते-पोती सब साथ रहा करते थे। उस समय अधिकतर लोग खेती पर आश्रित हुआ करते थे। कोई बाहरी आय कम होती थी। खेती में घर के सब लोग मिल-जुलकर काम करते थे। आजादी के बाद देश में शिक्षा के प्रसार और बढ़ती जनसंख्या के कारण संयुक्त परिवार टूटने लगे। खेती से सभी लोगों का गुजारा होना असंभव हो गया। कुछ लोगों ने शहरों की राह ली। उन्होंने अपने साथ अपने परिवार को भी रखना शुरू कर दिया। संयुक्त परिवार टूटने लगे।

आज स्थिति यह है कि कोई चाहकर भी संयुक्त परिवार में नहीं रह सकता। शिक्षा के विकास के कारण पढ़े-लिखे लोगों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। गाँवों के अधिकांश युवकों ने शहर की राह पकड़ ली है। उनके बच्चे पढ़-लिखकर नौकरी लगते ही माँ-बाप से अलग रहने में सुविधा महसूस करते हैं। इस तरह संयुक्त परिवार अब पुरानी बात हो गई है। आज एकल परिवार का युग आ गया है, जो टूटते परिवारों का परिणाम है।

प्र. 1. (आ)

(1) (i) **पानी की मनमानी –** → कहीं बरसना, कहीं नहीं बरसना

(ii) **पानी यहाँ बरसता है –** → जहाँ पेड़ हों, जहाँ वन हों

(2) (i) नदी – नदियाँ (ii) गह्वरों – गह्वर
(iii) नाले – नाला (iv) पहाड़ियाँ – पहाड़ी।

(3) हम जानते हैं कि वृक्ष वर्षा लाने में सहायक होते हैं। जहाँ वन हों, वहाँ वर्षा अधिक होती है। पेड़-पौधों की जड़ें मिट्टी से निरंतर जल का अवशोषण करती रहती हैं। उस जल का थोड़ा-सा ही अंश वृक्ष के काम आता है। शेष जल वाष्प के रूप में वृक्ष से बाहर निकाल दिया जाता है। वृक्षों के पत्तों में बहुत बारीक-बारीक छिद्र होते हैं। इन्हीं छिद्रों के द्‌वारा अतिरिक्त जल बाहर निकलता रहता है। यह वाष्प वायुमंडल में ऊपर एकत्र होकर संघनित हो जाती है। इससे वायुमंडल ठंडा हो जाता है। इस ठंडे वातावरण से गुजरते बादल वहीं पर संघनित होकर बरस जाते हैं। इसलिए वनों की अनियंत्रित कटाई पर रोक लगाई जानी चाहिए और हमें अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने चाहिए ताकि सूखे के संकट से बचा जा सके और धरती को बंजर होने से बचाया जा सके।

प्र. 2. (अ)

(1) (i) सहमकर काँपने वाली – कच्ची दीवार

(ii) अर्घ की सामग्री – निर्मल किरणें

(iii) किरण की स्थिति – थकी-हारी

(iv) इन्होंने देखे सपने – खुली आँखों ने

(2) हमारे देश में गरीबों के साथ सदा छल होता रहा है। उनकी गरीबी दूर करने और उनकी हालत में सुधार करने के लिए लोग अलग-अलग रूप धारण करके उसे तरह-तरह के आश्वासन देते रहे हैं, जो कभी पूरे नहीं हुए। गरीब आदमी इन आश्वासनों के आधार पर अपने सपने सँजोता रहा है। पर उसके ये सपने कभी पूरे नहीं हुए। वे केवल कल्पना मात्र ही रहे। गरीबों के साथ यही छल होता आया है।

प्र. 2. (आ)

(1)

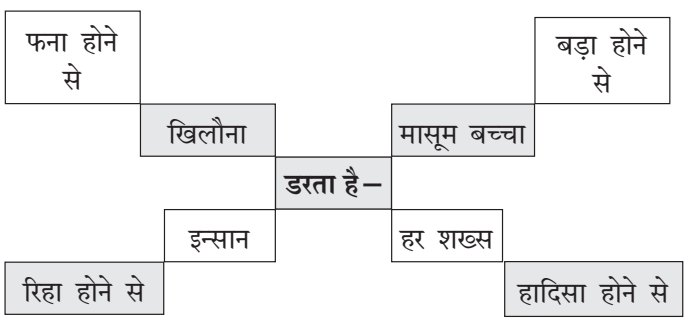

(2) मनुष्य बड़ा ही अनोखा जीव है। इस संसार में उसका मौत पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। मौत कब उसे अपना ग्रास बना लेगी, वह नहीं जानता। दूसरी ओर मानव का अपने जीवन पर भी कोई बस नहीं है। वह तो परिस्थितियों के हाथों में केवल एक खिलौने के समान है। फिर भी मनुष्य खुद को भगवान के समान मानने लगा है। सृष्टि के अन्य जीवों को अपनी इच्छानुसार प्रयोग करना, प्रकृति का मनमाने ढंग से दोहन करना वह अपना अधिकार समझता है।

मनुष्य परिस्थितियों के हाथों में, जिंदगी के हाथों में एक कठपुतली के समान है। अनेक अवसरों पर परेशान होकर वह इन सबसे मुक्ति की आकांक्षा करता है। परंतु वास्तव में देखा जाए, तो दुनिया के आकर्षण से वह कभी भी मुक्त नहीं हो पाता। सुख-समृद्‌धि के उपभोग की उसकी लालसा कभी पूर्ण नहीं होती।

प्र. 3. (1) (i) छुट्टियाँ।

(ii) रचनात्मक।

(2) (i) **सुबह :** सुबह उठता हूँ तो थोड़ी ताजगी रहती है।

अथवा

(ii) **चुपचाप :** मुझे यात्रा में चुपचाप बाहर देखना बहुत अच्छा लगता है।

(3)

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
अध्ययन	अधि + अयन	**स्वर संधि**

अथवा

सुरेश	**सुर + ईश**	**स्वर संधि**

(4) (i) पछाड़ देना।

वाक्य : कुश्ती में भारतीय पहलवान ने विदेशी पहलवान को पछाड़ दिया।

अथवा

(ii) (1) सिर पर चढ़ाना।

अर्थ : अत्यधिक छूट देना।

वाक्य : जतिन की माँ ने उसे सिर पर चढ़ा रखा है।

(2) कान लगाकर सुनना।

अर्थ : ध्यानपूर्वक सुनना।

वाक्य : प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपने शिक्षकों की बात कान लगाकर सुनते हैं।

(5) (i) सामान्य वर्तमानकाल।

(ii) (1) सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहेगी।

(2) सेठ से किसी ने साधु का जिक्र किया है।

(6) (i) संयुक्त वाक्य।

(ii) लोगों ने ऐसी जगहों पर घर न बना लिए हों।

प्र. 4. (अ) तथा **(आ)**

उपयोजित लेखन की कृतियों के स्व-मूल्यमापन संबंधी

उपयोजित लेखन के प्रश्नों को हल करते हुए विद्यार्थियों को अपने विचार, अपनी भाषा में लिखने होते हैं। ये प्रश्न मुक्तोत्तरी प्रकार के प्रश्न हैं। इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं लिखें।

नमूना कृतिपत्रिका में दिए गए ऐसे प्रश्नों के उत्तर अंक योजना को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी स्वयं चेक करें और अपने द्वारा लिखे गए उत्तरों को जाँचें। आवश्यकता हो तो विद्यार्थी अपने विषय शिक्षक की सहायता लें।

उपयोजित लेखन के अधिक अभ्यास हेतु '**नवनीत हिंदी (LL) उपयोजित लेखन : कक्षा दसवीं**' में दिए गए उपयोजित लेखन के नमूनों का अध्ययन अवश्य करें।

❀❀❀